



CB
21/8/85

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 635]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 29, 1984/पाँच 8, 1906

No. 635]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 29, 1984/PAUSA 8, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 1984

का. आ. 972 (अ).—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का.आ. 405 (अ), तारीख 20 जून, 1977; का. आ. 406 (अ) तारीख 16 जुलाई, 1979; का.आ. 556 (अ), तारीख 21 जुलाई, 1980; का. आ. 575 (अ), तारीख 20 जुलाई, 1981; का.आ. 515 (अ), तारीख 21 जुलाई, 1982; का. आ. 27 (अ), तारीख 19 जनवरी 1983; का. आ. 514 (अ), तारीख 21 जुलाई, 1983; का.आ. 948 (अ), तारीख 31 दिसम्बर, 1983 और का. आ. 468 (अ) तारीख 28 जून, 1984 के साथ पठित भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश

सं. का.आ. 375 (अ) तारीख 22 जुलाई, 1975 द्वारा मैसर्स ग्लुकोनेट लिमिटेड, कलकत्ता नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध अंतिम वर्णित आदेश में निर्दिष्ट व्यक्तियों के निकाय ने 31 दिसम्बर, 1984 तक को जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, अवधि के लिए ग्रहण किया था;

श्रीर, केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध उक्त व्यक्तियों के निकाय द्वारा 31 मार्च, 1985 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, श्रीर अवधि के लिए जारी रखा जाए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि अंतिम वर्णित आदेश 31 मार्च, 1985 तक को, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, श्रीर अवधि के लिए प्रभावो बना रहेगा।

[फा.सं. 6 (3)/79-सो०यु०एन०खण्ड-II]

ए.पी.सरवन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 29th December, 1984

S.O. 972(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 375(E), dated the 22nd July, 1975 read with the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 405(E), dated the 20th June, 1977, S.O. 406(E), dated the 16th July 1979, S.O. 556(E), dated the 21st July, 1980, S.O. 575(E), dated the 20th July, 1981, S.O. 515(E), dated the 21st July, 1982, S.O. 27(E), dated the 19th January, 1983, S.O. 514(E), dated the 21st July, 1983, S.O. 948(E), dated the 31st December, 1983 and S.O. 468(E), dated the 28th June, 1984, the management of the Industrial undertaking known as Messrs Glucinate Limited, Calcutta, had been taken over by the

body of persons referred to in the Order first mentioned for a period upto and inclusive of the 31st December, 1984;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said body of persons should continue for a further period upto and inclusive of the 31st March, 1985;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the Order first mentioned shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 31st March, 1985.

[File No. 6(3)/79-CUS.Vol.II]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.